झिटकू और

चित्र·कहानी...
(हल्बी)

मगर

झिटकू रोज कांगेर नदी
पर बने जल-प्रपात में
अपने दोस्तों के साथ
रोज नहाने जाता था।

वह रोज घर से जोंधरा लाई ले जाकर मगरमच्छ एवं मछलियों को खिलाता था। इस तरह झिटकू और मगरमच्छ में गहरी दोस्ती हो गई।

एक दिन झिटकू नहा
रहा था कि अचानक
फिसल गया और वह
नदी में गिर गया।
वह अपने बचाव में
जोर-जोर से चिल्लाया

बचाओ-बचाओ

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद- रायपुर (छ.ग.)

कार्यक्रम समन्वयक - विद्या डोंगे- SCERT रायपुर

सहायक समन्वयक - भरत साव- डाईट- धमतरी

मूल कथा - (i) मंगलू राम नाग (iii) सुखलाल नाग

(ii) सोनाधर नाग (iv) लव कुमार बघेल

भाषा - हल्बी